एवीवी में दौरे का पहला दिन : सराहे साइंस प्रोजेक्ट

फार्मेसी में पेटेंट की जानकारी मिलने पर नैक टीम बोली- 'एक्सीलेंट'

पत्रिका ऑन द स्पॉट

पीयर टीम को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी को परखने नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिएशन काउंसिल (नैक) की टीम ने गुरुवार से दौरा शुरू किया। तीन दिनी दौरे के पहले दिन सदस्य अलग-अलग विभागों में पहुंचे। प्रोफेशनल कोर्स की तुलना में साइंस स्ट्रीम के विभागों की जमकर तारीफ की। रिसर्च व प्रोजेक्ट वर्क को सराहा। स्कूल ऑफ फार्मेसी पहुंची टीम को पेटेंट के लिए भी आवेदन का पता चला तो बोले- 'एक्सीलेंट'।

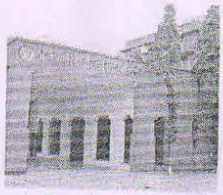

नैक की आठ सदस्यीय टीम गुरुवार को ही इंदौर पहुंच गई थी। शुक्रवार को सभी सदस्य तक्षशिला परिसर स्थित ईएमआरसी पहुंचे। यहां एनएसएस और एनसीसी के विद्यार्थियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनकी अगवानी की। कुलपति प्रो. रेणु जैन ने यूनिवर्सिटी का प्रजेंटेशन देते हुए पिछले दौरे से अब तक की उपलब्धियां बताई। शुरुआत ईएमआरसी से हुई। यहां बताया कि विभाग में ऑनलाइन कोर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं। इसके बाद सदस्य तीन टीम में अलग-अलग विभागों में दौरे के लिए निकले।

केस स्टडी बताते हो या सिलेबस ही पढ़ाते हो

टीम ने स्कूल ऑफ फिजिक्स, केमिस्ट्री में चल रहे रिसर्च प्रोजेक्ट की जानकारी ली। आइएमएस में बताया, कोर्स पूरा होने के बाद रीविजन के लिए वर्कशॉप कराई जाती है। मैनेजमेंट कोर्स का सिलेबस व पैटर्न भी जाना। आइआइपीएस में इंटीग्रेटेड कोर्स 1992 से जारी रहना बताया। लाइब्रेरी में 25 हजार किताबों की जानकारी दी। प्रजेंटेशन के दौरान एक सदस्य ने पूछा- मैनेजमेंट में केस स्टडी बताते हो या सिलेबस ही पढ़ाते हो।

स्कूल ऑफ फार्मेसी अव्वल

स्कूल ऑफ फार्मेसी को तीन साल से एनआइआरएफ की रैंक मिल रही है। आइपीए की रमनभाई पटेल फैलोशिप भी बीफार्मा में प्रदेश में सिर्फ स्कूल ऑफ फार्मेसी को मिल रही है। 5 साल में 189 रिसर्च पेपर पब्लिश हुए। एक पेटेंट फाइल किया है। टीम ने रिसर्च लैब भी देखी।

नालंदा परिसर की परीक्षा आज

नैक टीम शुक्रवार को नालंदा परिसर पहुंचेगी। रजिस्ट्रार, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक सहित अधिकारियों के प्रजेंटेशन होंगे। छात्र कल्याण से जुड़ी जानकारी हासिल की जाएगी। टीम शहर के कॉलेज के प्राचार्यों से मुलाकात करेगी। छात्र, पूर्व छात्रों व रिक्रूटर्स से भी मुलाकात रखी गई है

फैकल्टी कम तो कैसे होती है पढ़ाई?

कुलपति का प्रजेंटेशन 28 मिनट का रहा। इसके बाद नैक सदस्यों ने पूछा, कोर्स व छात्रों के हिसाब से पर्याप्त फैकल्टी नहीं है, पढ़ाई कैसे होती है? उन्हें बताया गया, यूजीसी से भर्ती पर रोक लगी थी। यूनिवर्सिटी तीन बार प्रक्रिया कर चुकी है। रोस्टर फाइनल होने के बाद भर्ती कर ली जाएगी।

25 विषयों के लिए सुविधा

लाइब्रेरी में भरपूर किताबें, अब ई-बुक्स सब्सक्राइब करेगा विवि

घर बैठे ही किताब और पत्रिकाएं पढ़ सकेंगे सदस्य

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की सेंट्रल लाइब्रेरी का उपयोग करने लाइब्रेरी में पढ़ने जाना जरूरी नहीं है। यूनिवर्सिटी सभी सदस्यों को किताबों का ऑनलाइन एक्सेस उपलब्ध कराएगी। यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, कॉमर्स, जर्नलिज्म, साइंस सहित 25 विषयों की ई-बुक्स और जर्नल सब्सक्राइब लेगी अगले महीने से ये सुविधा मिल सकती है।

सेंट्रल लाइब्रेरी में लंबे समय से किताबों की खरीदी नहीं हुई है। लाइब्रेरी में बड़ी संख्या में पुरानी और खराब हो चुकी किताबों को हटाने का विचार चल रहा है, लेकिन नई किताबें खरीदने की जगह यूनिवर्सिटी ने ई-बुक्स का सब्सक्रिप्शन लेने का प्रस्ताव बनाया

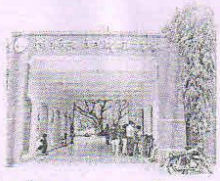

सबसे बड़ा फायदा यह रहेगा, छात्र घर से इसे एक्सेस कर सकेंगे। लाइब्रेरी के सभी सदस्यों के साथ फैकल्टी को भी यह सुविधा दी जाएगी। ई-बुक्स के साथ कुछ महंगे जर्नल्स भी सब्सक्राइब करने की तैयारी है। अगले महीने लाइब्रेरी प्रबंधन विभागों से जरूरी किताबों और जर्नल्स की जानकारी मंगाएगा।

नई किताबें रखने की जगह नहीं

लाइब्रेरी में बड़ी संख्या में किताबें हैं। नई किताबें रखने की जगह नहीं है। ई-बुक्स और जर्नल्स ऑनलाइन मिलने के बाद सदस्य घर या कहीं से भी इसे एक्सेस कर सकेंगे।

पत्रिका
22/11/2019